आपकी हथेली, आपकी किस्मत

07 October, 2007.

अक्सर हाथ की रेखाऐं पढ़ने वाले हाथ की रेखाओं की ही बात करते हैं । जैसे जीवनरेखा, मस्तिष्करेखा, हदयरेखा और भाग्यरेखा इत्यादि परन्तु हाथ में रेखाओं के अलावा भी कुछ निशान अथवा चिन्ह होते हैं, इनका भी कुछ मतलब अथा फल होता हैं । आज हम आपको ऐसे ही निशानों अथवा चिन्हो के विषय में बता रहे हैं, जिससे आप जानेगें कि इनका क्या मतलब अथवा फल होता हैं । इसके अलावा हाथ की बनावट यां हथेली की मोटाई, चौड़ाई और उसका पतला, लंबा होना भी अपना प्रभाव दिखाता हैं । इनमें से शुभ अशुभ चिन्हों और संकेतों को समझकर और उनका समन्वय बनाकर हम अपनी किस्मत अथवा जीवनचक्र को समझ सकते हैं ।

नोट : पुरुष इसे दॉयी हथेली में देखें और महिलायें इसे बॉयी हथेली में देखें ।

हथेली में मछली का चिन्ह : जिस व्यक्ति के हाथ में मछली का चिन्ह होता हैं, वो व्यक्ति घर का चिराग होता हैं अथवा घर का नाम रौशन करने वाला होता हैं । धन तोउसके पास होगा ही परन्तु नियत से भी ऐसा व्यक्ति नेक होता हैं और भाग्य सदा ही उसपर मेहरबान रहता हैं । एसा हो सकता हैं कि चिन्ह कुछटूटा हुआ हो अथवा पुर्ण नही हो पाया हो ऐसे में चिन्ह जितने प्रतिशत बना होगा उतने ही प्रतिशत इस चिन्ह के शुभ फल मिलेगें । एसा भी हो सकता हैं कि किसी पुरुष के बायें हाथ में ये चिन्ह हो किसी स्त्री के दायें हाथ में चिन्ह हो, जबकि हमने कहा हैं कि स्त्रीयां बाये हाथ में देखें और पुरुष दायें हाथ में देखें, ऐसे में ये संकेत होगा कि उम्र बढ़ने के साथ साथ इसके शुभ मिलेगें । बहरहाल एसा व्यक्ति पैसे बचाने में बहुत दक्ष होता हैं और इसे अचानक धनलाभ होता हैं जैसे लॉटरी, सटटा ईत्यादि । हालाकि दूर के रिश्ते इससे दूर ही रहते हैं और ईन्हे बनाये रखने का एसा व्यक्ति प्रयास भी नही करता हैं ।

हथेली में शेर का चिन्ह : कई बार हाथ की रेखाऐं आपस में मिलकर एसी आकृति घड़ लेती हैं जिससे शेर की आकृति का आभास होता हैं । एसा चिन्ह जिस व्यक्ति के हाथ में होता हैं वो बहादुर, बेधड़क और बेरहम होता हैं । इसके घर परिवार में कोहराम मचा रहता हैं, धर्म और ईश्वर को ये मानने वाला होता हैं परन्तु कानून और कायदे को ज्यादा नही मानता हैं । ये फल तब और अधिक मिलते हैं जब ये चिन्ह हथेली में उंगलियों के ज्यादा करीब हो और टूटा हुआ ना हो । बहरहाल एसे व्यक्ति को संतान से ज्यादा लगाव होता हैं । अगर इसके साथ ही अगर हथेली मोटी और भारी होगी तो व्यक्ति को लालची, साधारण जीवनवाला, बेबुनियाद ख्यालों वाला और बेवफा भी बना देगी ।

हथेली में साँप का चिन्ह : जिस व्यक्ति के हाथ में साँप का चिन्ह होता हैं उसे धन, दौलत से बहुत लगाव होता हैं और धन, दौलत की रखवाली ये किसी साँप की तरह ही करता हैं । अगर ये चिन्ह किसी व्यक्ति के बायें हाथ में हो तो ये कुछ रहमदिल हो सकता हैं परन्तु अगर दायें हाथ में हो तो फिर साँप जैसा ही जहरीला होता और धन दौलत के लिये किसी को भी हानि पहुचां सकता हैं । महिलाएं इसे विपरित स्थिति से देखें । टूटा हुआ चिन्ह अपना पुर्ण फल नही दे पायेगा । साथ ही अगर हथेली मोटी और भारी होगी तो व्यक्ति को लालची, साधारण जीवनवाला, बेबुनियाद ख्यालों वाला और बेवफा भी बना देगी ।

हथेली में हाथी का चिन्ह : जिस व्यक्ति के हाथ में हाथी का चिन्ह होता हैं वो किसी राजा के समान होता हैं । दूसरों के लिये कार्य करना अथवा पराक्रम से दूसरों के कार्य करना उसका शौक होता हैं । एसा व्यक्ति बहुत अच्छे प्रयास करता हैं और प्रयास करते हुऐ कभी थकता नही हैं । शत्रु के लिये ये भयकारक होता हैं, शक्तिशाली लोग भी इससे पंगा लेने से डरते हैं । बुध्दी और शक्ति का मिश्रण ऐसे व्यक्ति को प्रसिध्द बनाता हैं । इसके साथ ही अगर हथेली लंबी और गोल होगी तो व्यक्ति को हंसमुख, हुक्मरान और धनी बना देगी और अगर हथेली मोटी और भारी होगी तो व्यक्ति को लालची, साधारण जीवनवाला, बेबुनियाद ख्यालों वाला और बेवफा भी बना देगी ।

हथेली में कौवे का चिन्ह : जिस व्यक्ति के हाथ में कौवे का चिन्ह हो एसा व्यक्ति जीवन में धीमि गति से उन्नति करता हैं और फरेबी होता हैं । धोखें और फरेब का उस्ताद ऐसा व्यक्ति बहुत सोच समझकर धोखाधड़ी करता हैं । जाने माने ठगों के हाथो में ऐसे चिन्ह मिलते हैं । बहरहाल अचानक जेल जाने के रास्ते भी इनके लिये खुले होते हैं । उंगलियो के ज्यादा करीब अगर ये चिन्ह हो तो फिर एसे व्यक्ति के ठग बन जाने के आसार ज्यादा होते हैं । इसके साथ ही हथेली अगर पतली और कमजोर सी हुई तो व्यक्ति को गरीब और दीनहीन बना देगी । परन्तु अगर हथेली लंबी और गोल होगी तो व्यक्ति को हंसमुख, हुक्मरान और धनी बना देगी और अगर हथेली मोटी और भारी होगी तो व्यक्ति को लालची, साधारण जीवनवाला, बेबुनियाद ख्यालों वाला और बेवफा भी बना देगी ।

हथेली में गाय, बैल का चिन्ह : जिस व्यक्ति के हाथ में गाय अथवा बैल का चिन्ह होता ऐसा व्यक्ति बहुत धनी होंता हैं और खेती अथवा वनस्पती से लाभ पाता हैं । विदेशों से भी इसके सम्पर्क होते हैं तथा जीवन में भौतिक सुखों का आनंद लेता हैं । वीर्य का व्यय करने वाला एसा व्यक्ति जवानी में बहुस्त्रीगामी होता हैं और बचपन में हस्तमैथुन से वीर्य का व्यय करता हैं । उम्र के बढ़ने पर एसे व्यक्ति के मुँह से अपशब्द बहुत निकलते हैं । बहरहाल टूटा हुआ चिन्ह अपना पुर्ण फल नही दे पायेगा और बायें हाथ में बना चिन्ह उम्र के बढ़ने पर अपना प्रभाव दिखाता हैं । महिलायें इसे विपरित स्थिति से देखें ।

हथेली में चूल्हे का चिन्ह : जिस व्यक्ति के हाथ में चूल्हे का चिन्ह होता हैं एसा व्यक्ति चोरी के कार्य में लगा रहने वाला होता हैं । बेवजह पराक्रम और साहस का प्रदर्शन करता हैं तथा कुटील स्वभाव का होता हैं । बदनाम और अपयश का भागी एसा व्यक्ति जीवन में धीमि गति से उन्नति करता हैं और अपनो तथा स्वजनों में आदर नही पाता हैं । चोरी और धोखाधड़ी इसका मूलमंत्र होता हैं तथा सब पर हावी होने के इसके प्रयास इसे अपयश का भागी बनाते हैं । बहरहाल टूटा हुआ और बायें हाथ में बना चिन्ह अपना पुर्ण प्रभाव नही दिखा पायेगा । इसके साथ ही हथेली अगर पतली और कमजोर सी हुई तो व्यक्ति को गरीब और दीनहीन बना देगी । परन्तु अगर हथेली लंबी और गोल होगी तो व्यक्ति को हंसमुख, हुक्मरान और धनी बना देगी ।

हथेली में कमान का चिन्ह : जिस व्यक्ति के हाथ में तीर कमान में से केवल कमान का चिन्ह हो एसा व्यक्ति बहुत हौसलें वाला और नीडर तथा बहादुर होता हैं । हालाकि इसकी बहादुरी और हौसलें का इसे पुर्ण यश नही मिल पाता हैं । रिश्ते, स्वजन और अपने इसे प्रिय होते हैं परन्तु उसका भी इसे शुभ फल नही मिल पाता हैं । ये सदा ही उलझन में और कर्तव्यविमूढ़ता की स्थिति में रहता हैं । इसके साथ ही हथेली अगर पतली और कमजोर सी हुई तो व्यक्ति को गरीब और दीनहीन बना देगी और अगर हथेली मोटी और भारी होगी तो व्यक्ति को लालची, साधारण जीवनवाला, बेबुनियाद ख्यालों वाला और बेवफा भी बना देगी ।

हथेली में फूल का चिन्ह : जिस व्यक्ति के हाथ में फूल का चिन्ह होता हैं वो कागजी कार्य करने में माहिर होता हैं अथवा लिखने पढ़ने में उसे विशेष दिलचस्पी होती हैं । शेयर मार्केट भी उसकी दिलचस्पी में शामिल होता हैं और शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकता हैं । एसा व्यक्ति धनी तो होता ही हैं साथ साथ अच्छा जीवन जीने में भी यकिन रखता हैं । कर्ज के लेन देन की उसे विशेष जानकारी होती हैं और उसके प्रयास तुरन्त और सफल होते हैं । बुध्दीमान और प्रसन्नचित एसा व्यक्ति जीवन को प्रसन्नता से जीता हैं । बहरहाल टूटा हुआ चिन्ह अपना पुर्ण फल नही दे पायेगा । इसके साथ ही हथेली अगर पतली और कमजोर सी हुई तो व्यक्ति को गरीब और दीनहीन बना देगी । परन्तु अगर हथेली लंबी और गोल होगी तो व्यक्ति को हंसमुख, हुक्मरान और धनी बना देगी ।

हथेली में झण्डे का चिन्ह : जिस व्यक्ति के हाथ में झण्डे का चिन्ह होता हैं वो सुन्दर और दिखने में आकर्षक होता हैं । उसकी पत्नी धार्मिक होती हैं हालाकि वो भी धार्मिक कार्य करने में निपुण होता हैं परन्तु उसकी धार्मिक सोच में और उसकी पत्नी की धार्मिक सोच में अंतर होता हैं । उसका घरपरिवार बड़ा और फला फूला होता हैं तथा आय के लिये वो धार्मिक कार्य करता हैं । जाने माने पंडितों और ब्राहमणों के हाथों में ये चिन्ह देखें जा सकते हैं । बहरहाल उंगलियों के ज्यादा करीब और पुर्ण चिन्ह अपना पुर्ण फल देगा । इसके साथ ही हथेली अगर पतली और कमजोर सी हुई तो व्यक्ति को गरीब और दीनहीन बना देगी । परन्तु अगर हथेली लंबी और गोल होगी तो व्यक्ति को हंसमुख, हुक्मरान और धनी बना देगी और अगर हथेली मोटी और भारी होगी तो व्यक्ति को लालची, साधारण जीवनवाला, बेबुनियाद ख्यालों वाला भी बना देती हैं ।

हथेली में छत्र का चिन्ह : जिस व्यक्ति के हाथ में छत्र का चिन्ह हो एसा व्यक्ति बहुत धनी होता हैं और उसका यश चारों और फैला होता हैं । लोग उसे सहज ही जानते हैं, हालाकि बातचीत में वो कुछ जल्दबाज होता हैं और कितना भी धनी बन जाये असन्तुष्ट ही रहता हैं । बहरहाल रचनात्मकता और उन्नति उसका मूलमंत्र होता हैं । पुजापाठ और दिखावे में उसका यकिन नही होता हैं परन्तु मन से वो धार्मिक ही होता हैं । इसके साथ ही हथेली अगर पतली और कमजोर सी हुई तो व्यक्ति को गरीब और दीनहीन बना देगी । परन्तु अगर हथेली लंबी और गोल होगी तो व्यक्ति को हंसमुख, हुक्मरान और धनी बना देगी और अगर हथेली मोटी और भारी होगी तो व्यक्ति को लालची, साधारण जीवनवाला, बेबुनियाद ख्यालों वाला और बेवफा भी बना देगी ।

हथेली में पहाड़ का चिन्ह : कभी कभी रेखाऐं आपस में मिलकर हाथ में पहाड़ जैसा चिन्ह बना देती हैं । एसा चिन्ह जिस व्यक्ति के हाथ में होता हैं वो बहुत बुध्दीमान होता हैं और दूसरों को राय देने में उसका जवाब नही होता हैं । सामान्य ज्ञान से भरपूर एसा व्यक्ति बड़े बड़े राजनितिज्ञो को और मंत्रीयों तक को अपनी राय दे सकता हैं तथा स्वंय किसी राजा से कम नही होता हैं । ऐसे व्यक्ति में अगर घंमड ना हो तो ये बहुत उन्नति करता हैं अन्यथा राजसिकता का प्रभाव उसपर सहज ही देखा जा सकता हैं । इसके साथ ही हथेली अगर पतली और कमजोर सी हुई तो व्यक्ति को गरीब और दीनहीन

आपकी हथेली, आपकी किस्मत

07 October, 2007.

बना देगी । परन्तु अगर हथेली लंबी और गोल होगी तो व्यक्ति को हंसमुख, हुक्मरान और धनी बना देगी ।

हथेली में गाँव का चिन्ह : कभी कभी हाथ में कई रेखाऐं आपस में मिलकर एक गाँव जैसी आकृति का चिन्ह बना देती हैं । जैसे दो चार झोपड़े जैसे दिखते हैं और उनको घेरे हुऐ एक रेखा उनके आगे एक गेट जैसा बना देती हैं । इससे लगता हैं कि गाँव सा बन गया हैं । जिस व्यक्ति के हाथ में एसा चिन्ह होता हैं वो व्यक्ति धनी और रईस होता हैं । जीवनसाथी सांवला याँ फिर लंबा होता हैं तथा छोटी उम्र में ही आय के मार्ग प्रशस्त हो जाते हैं । संचार माध्यम अथवा सूचनातंत्र से उसका विशेष संबंध होता हैं और वो कार्यकुशल होता हैं, मेहनत से जी नही चुराने वाला होता हैं ।

हथेली में ढाल का चिन्ह : युध्द के दौरान सैनिक तलवार और ढाल रखते थे । तलवार हमला करने के लिये और ढाल सुरक्षा के लिये, तो किसी व्यक्ति के हाथ में अगर ढाल का चिन्ह हो तो एसा व्यक्ति बुजदिल, डरपोक और दरिद्र होता हैं । हालाकि रुकावटें इसके सामने नही होती हैं परन्तु कार्यसिध्दी के लिये कदम आगे बढ़ाने से भी डरता हैं । बढ़ती उम्र के साथ इसके रक्त में खराबी उत्पन्न होती हैं और ऑपरेशन अथवा सर्जरी से गुजरना पड़ता हैं । बहरहाल पुर्ण चिन्ह ही पुर्ण फल देपायेगा अन्यथा पुर्ण फल नही हो पायेगा । इसके साथ ही हथेली अगर पतली और कमजोर सी हुई तो व्यक्ति को गरीब और दीनहीन बना देगी । अगर हथेली मोटी और भारी होगी तो व्यक्ति को लालची, साधारण जीवनवाला, बेबुनियाद ख्यालों वाला और बेवफा भी बना देगी ।

हथेली में तलवार का चिन्ह : जिसे व्यक्ति के हाथ में तलवार का चिन्ह हो वो शत्रु का डराने वाल और विजयी व्यक्ति होता हैं । कुछ जिद्द अथवा अख्खड़पना इसमें होता हैं परन्तु कुटील नही होता हैं । इसे प्रशंसा से प्यार होता हैं और कोई भी जरा सी प्रशंसा करें तो उसे ये अपना हितैषि मान बैठता हैं । ये लोग मीठा खाना भी पसंद करते हैं, हालाकि इन्हे मीठा नही खाना चाहिये क्योंकि इससे इनका क्रोध बढ़ता हैं । बहरहाल पुर्ण तलवार का चिन्ह ही एसा फल करेगा अन्यथा स्वभाव में विभिन्नता आयेगी । इसके साथ ही अगर हथेली लंबी और गोल होगी तो व्यक्ति को हंसमुख, हुक्मरान और धनी बना देगी और अगर हथेली मोटी और भारी होगी तो व्यक्ति को लालची, साधारण जीवनवाला, बेबुनियाद ख्यालों वाला और बेवफा भी बना देगी ।

हथेली में घोड़े का चिन्ह : जिस व्यक्ति के हाथ में घोड़ें का चिन्ह हो एसा व्यक्ति बहुत धनी होता हैं और उसका यश चारों और फैला होता हैं । लोग उसे सहज ही जानते हैं, हालाकि बातचीत में वो कुछ जल्दबाज होता हैं । खानपान पर इसका नियंत्रण नही होता हैं और खाना जल्दी जल्दी खाता हैं तथा जलीय पदार्थ इसे पसंद होते हैं । हालाकि पुर्ण घोड़े का चिन्ह बनना मुश्किल हैं परन्तु अगर बन जाये तो एसे व्यक्ति का धनी बनना तय हैं । इसके साथ ही हथेली अगर पतली और कमजोर सी हुई तो व्यक्ति को साधारण धनवान बना देगी । परन्तु अगर हथेली लंबी और गोल होगी तो व्यक्ति को हंसमुख, हुक्मरान और धनी बना देगी और अगर हथेली मोटी और भारी होगी तो व्यक्ति को लालची, साधारण जीवनवाला, बेबुनियाद ख्यालों वाला और बेवफा भी बना देगी ।

हथेली में मंदिर का चिन्ह : जिस व्यक्ति के हाथ में मदिंर का चिन्ह हो तो वैसा व्यक्ति धर्म को मानने वाला सात्विक स्वभाव वाला और पुजापाठी होता हैं ।ब्राहमणों जैसा इसका खाना होता हैं और निंरतर उन्नति करता हुआ सुखी जीवनयापन करता हैं । इसके साथ ही इस व्यक्ति की हथेली अगर पतली और कमजोर सी हुई तो व्यक्ति को साधारण धनवान बना देगी । परन्तु अगर हथेली लंबी और गोल होगी तो व्यक्ति को हंसमुख, हुक्मरान और धनी बना देगी और अगर हथेली मोटी और भारी होगी तो व्यक्ति को लालची, साधारण जीवनवाला, बेबुनियाद ख्यालों वाला और बेवफा भी बना देगी ।

हथेली में चौसर, चौपड़ का चिन्ह : जिस व्यक्ति के हाथ में चौसर यां चौपड़ का चिन्ह हो तो एसा व्यक्ति माना हुआ खिलाड़ी होता हैं । इसके प्रयास अथक तरिके से चलते रहते हैं और सफलता मिलने तक एसा व्यक्ति शाँत होकर नही बैठता हैं । ऐसे व्यक्ति की हथेली अगर लंबी और गोल होगी तो व्यक्ति को हंसमुख, हुक्मरान और धनी बना देगी और हथेली अगर पतली और कमजोर सी हुई तो व्यक्ति को गरीब और दीनहीन बना देगी । बहरहाल ऐसे व्यक्ति के शत्रु कम होते हैं और अगर होते हैं तो एसा व्यक्ति उनसे जीत लेता हैं ।

हथेली में कलम का चिन्ह : जिस व्यक्ति के हाथ में लिखने वाली कलम का चिन्ह हो ऐसा व्यक्ति कलम का धनी होता हैं और लिखापढ़ी के कार्य करने वाला माहिर होता हैं । ऐसे व्यक्ति की हथेली अगर पतली और कमजोर सी हुई तो व्यक्ति को लिखापढ़ी की नौकरी करनी पड़ सकती हैं और अगर हथेली लंबी और गोल होगी तो व्यक्ति को हंसमुख, प्रसिध्द लेखक और धनी बना देगी । बहरहाल ऐसे व्यक्ति का जीवनसाथी आकर्षक होगा और व्यापारिक घराने का हो सकता हैं ।

हथेली में अकुंश, शंख और चक्र का चिन्ह : जिस व्यक्ति के हाथ में अकुंश अथवा कान के दायरे की शक्ल का चिन्ह अथवा शंख और चक्र का चिन्ह होतो एसा व्यक्ति राजयोग से युक्त होता हैं और बहुत धवान बनता हैं । तीनो में एक भी चिन्ह धनवान बना देने के लिये काफी हैं परन्तु अगर तीनो चिन्ह हो तो सोने पे सुहागा जैसी बात होगी । ऐसे व्यक्ति का चेहरा आकर्षक और भरा भरा गोल होता हैं । बहरहाल इन चिन्हों के साथ साथ अगर हथेली भी लंबी और गोल होगी तो व्यक्ति को हंसमुख, हुक्मरान और धनी बना देगी परन्तु अगर हथेली पतली और कमजोर सी हुई तो व्यक्ति को साधारण धनवान बना देगी ।

हथेली में मुसल का चिन्ह : जिस व्यक्ति के हाथ में मुसल का चिन्ह हो तो एसा व्यक्ति रचनात्मक कार्य नही कर पाता हैं और बहुत कंजूस होता हैं । बुध्दी का बेवजह व्यय करता हैं और किडनी की बीमारी से ग्रस्त हो सकता हैं । अगर हथेली लंबी और गोल होगी तो व्यक्ति को कुछ राहत मिलती हैं अर्थात किडनी की बीमारी ना होकर केवल पेट की तकलीफ होती हैं परन्तु अगर हथेली पतली और कमजोर सी हुई तो व्यक्ति को बीमार और दीनहीन बना देगी ।

हथेली में उखल का चिन्ह : उखल एसी चीज होती हैं जिसमें डालकर मसाला आदि मुसल से कूटा जाता हैं । अब जिस व्यक्ति के हाथ में उखल का चिन्ह होगा उसे भी जीवन में विभिन्न मुसीबतों के मुसल से कूटा जाता हैं । एसा व्यक्ति जीवन में रोजी रोटी के लिये भी परेशान रहता हैं । अगर हथेली लंबी और गोल होगी तो व्यक्ति को कुछ राहत मिलेगी अर्थात रोजी रोटी से तंग नही होगा परन्तु अगर बदकिस्मती से हथेली पतली और कमजोर सी हुई तो व्यक्ति मुसीबतों का मारा हो जाता हैं । जीवनसाथी हालाकि शुभ और भाग्यशाली होता हैं परन्तु एसा व्यक्ति छोटे छोटे कार्य करके ही जीवनयापन करता हैं ।

हथेली पर बढ़, पीपल के पेड़ का चिन्ह : जिस व्यक्ति के हाथ में बढ़ यां पीपल के पड़ का चिन्ह होता एसा व्यक्ति राजा के समान शानदार, दूसरों से टैक्स वसूलने वाला और हुक्म चलाने वाला होता हैं परन्तु एसा व्यक्ति अचानक मृत्यु को प्राप्त होता हैं अर्थात इसे मृत्यु तब आती हैं जब इसे मृत्यु की आशा नही होती हैं । एसा व्यक्ति लोकप्रिय ओर जनता में जाना माना होता हैं । इस व्यक्ति का घर बड़ा और खुला खुला होता हैं जिसमें बहुत से दरवाजे और खिड़कियां होते हैं । पीपल का ये चिन्ह जिता पुर्ण होगा उपरोक्त फल उतने ही अधिक सटीक ढंग से मिलेगें और जितना टूटा हुआ होगा फल उतने ही कम प्रतिशत में मिलेगें ।

हथेली में वृक्ष का चिन्ह : हथेली में किसी भी प्रकार के वृक्ष का चिन्ह आदमी को बहुत सारी जायदाद का स्वामी बना देता हैं । ये दूसरों के लिये छत्रछाया देने वाला बन जाता हैं । किराये पर घर देने वालों के हाथों में ऐसे चिन्ह देखने को मिल सकते हैं । ऐसे व्यक्ति की जैसे जैसे उम्र बढ़ती हैं उसकी जायदाद में बढ़ोतरी होती चली जाती हैं । एसा व्यक्ति राजनिति करने का भी माहिर माना जाता हैं और उसकी संतान भी वही कार्य करती हैं जिस कार्य को एसा व्यक्ति अपनी आय के साधन के रुप में चुनता हैं । बहरहाल ऐसे व्यक्ति की अगर हथेली लंबी और गोल होगी तो व्यक्ति को हंसमुख, हुक्मरान और महाधनी बना देगी और अगर हथेली मोटी और भारी होगी तो व्यक्ति को लालची, साधारण धनी, बेबुनियाद ख्यालों वाला और बेवफा बना देगी ।

हथेली में चौकी का चिन्ह : चार पायों पर बने छोटे संदल को चौकी कहते हैं जिस व्यक्ति के हाथ में चौकी का चिन्ह होता हैं एसा व्यक्ति अपनी मेहनत, पराक्रम और साहस से अपना शासन अथवा साम्राज्य स्थापित करता हैं । अगर ऐसे व्यक्ति की हथेली मोटी और भारी होगी तो व्यक्ति को लालची, बेबुनियाद ख्यालों वाला और अपराधी बना देगी । परन्तु अगर हथेली लंबी और गोल होगी तो व्यक्ति को हंसमुख, हुक्मरान और महाधनी बना देगी । बहरहाल एसा व्यक्ति कोर्ट कचहरी के कार्यो का विशेषज्ञ बन जाता हैं ।

हथेली में रथ, गाड़ी का चिन्ह : जिस व्यक्ति के हाथ में रथ अथवा किसी भी प्रकार की गाड़ी का चिन्ह हो तो एसा व्यक्ति सवारी के सुख से युक्त होता हैं । बड़े बड़े लोगों के साथ उठना, बैठना और उनके साथ घूमना इसके लिये आसान होता हैं । ये बहुत जाना माना व्यक्ति होता हैं और राजनितिक गलियारों में इसकी चर्चा होती हैं । अगर ऐसे व्यक्ति की हथेली मोटी और भारी होगी तो व्यक्ति को लालची, बेबुनियाद और अपराधी बना देगी । परन्तु अगर हथेली लंबी और गोल होगी तो व्यक्ति को हंसमुख, हुक्मरान और महाधनी बना देगी । इस व्यक्ति का घर बड़ा और खुला खुला होता हैं जिसमें बहुत से दरवाजे और खिड़कियां होते हैं ।

हथेली में तराजू का चिन्ह : जिस व्यक्ति के हाथ में तराजू का चिन्ह हो तो एसा व्यक्ति व्यापारिक बुध्दी का और तोल मोल के जीवन जीने वाला होता हैं । इसके छोटे छोटे कार्य भी इसकी व्यापारिक बुध दी के चलते मोल भाव से होते हैं । एसा व्यक्ति जवानी के आरंभ में प्रेम में पड़ता हैं परन्तु फिर एसा कुछ नही होता हैं । बहरहाल विदेशों से भी इसके व्यापारिक संबंध होते हैं परन्तु हथेली लंबी और गोल होनी चाहिये ।

हथेली में आँख का चिन्ह : जब हाथ की रेखाऐं किसी व्यक्ति के हाथ में आँख का चिन्ह बनाये तो समझ लेना चाहिये कि एसा व्यक्ति बहुत फरेबी, धैर्यवान और धनी हैं । इसका फरेब और इसका धैर्य

आपकी हथेली, आपकी किस्मत

07 October, 2007.

इसकी उम्र के साथ साथ बढ़ता जाता हैं और ये धनी से महाधनी बनता जाता हैं । ऐसे व्यक्ति की उम्र भी लंबी होती हैं और अगर साथ साथ इसकी हथेली भी गोल और लंबी हो तो एसे व्यक्ति से पार पाना अंसभव होता हैं फिर ये दक्ष राजनितिक और कूटनितिज्ञ बन जाता हैं ।

हथेली में पालकी का चिन्ह : जिस व्यक्ति के हाथ में पालकी का चिन्ह हो तो एसा व्यक्ति बहुत आराम पाने वाला और सुख सुविधाऐं पाने वाला होता हैं । अपने पूर्व जन्मों के शुभ कर्मो के फल इसे इस जीवन में मिलते हैं और भाग्य सदा इस पर मेहरबान रहता हैं । विदेश में आनाजाना लगा रहता हैं , उत्तम स्वास्थ, आज्ञाकारी संतान और धन, जंमा पुंजी का सुख पाने वाला होता हैं ।

हथेली में नाक का चिन्ह : किसी व्यक्ति के हाथ में अगर रेखाऐं नाक का चिन्ह बना दे तो एसा व्यक्ति साधारण व्यापारी होता हैं परन्तु बुध्दी का बेवजह व्यय करता हैं और दमे की बीमारी से ग्रस्त हो सकता हैं । अगर हथेली लंबी और गोल होगी तो व्यक्ति को कुछ राहत मिलती हैं अर्थात दमे की बीमारी ना होकर केवल पेट की तकलीफ होती हैं परन्तु अगर हथेली पतली और कमजोर सी हुई तो व्यक्ति को बीमार और दीनहीन बना देगी ।

हथेली में त्रिशूल का चिन्ह : जिस व्यक्ति के हाथ में त्रिशूल का चिन्ह होगा वो अच्छे जीवन को जीने वाला व्यक्ति होगा इसके अलावा धन तोउसके पास होगा ही परन्तु नियत से भी ऐसा व्यक्ति नेक होता हैं और भाग्य सदा ही उसपर मेहरबान रहता हैं । बहरहाल एसा व्यक्ति पैसे बचाने में बहुत दक्ष होता हैं और इसे अचानक धनलाभ होता हैं जैसे लॉटरी, सटटा ईत्यादि । हालाकि दूर के रिश्ते इससे दूर ही रहते हैं और ईन्हे बनाये रखने का एसा व्यक्ति प्रयास भी नही करता हैं ।

हथेली में तिल का चिन्ह : तिल के चिन्ह हमारे शास्त्रों और लोगों में बहुत लोकप्रिय हैं परन्तु हथेली में तिल के चिन्ह बहुत कम लोगों को होते हैं बहरहाल अगर हथेली में तिल का चिन्ह हैं और मुटठी बदं करने पर उसमें छुप जाता हैं तो एसा व्यक्ति बहुत धनवान होता हैं । परन्तु अगर मुटठी बंद करने पर तिल छुपता नही हैं तो एसा व्यक्ति फिजूल खर्च और धन को बेवजह बर्बाद करने वाला होता हैं । बहरहाल बंद होने वाली मुटठी में चार तिल हैं तो व्यक्ति राजा जैसा धनी होता हैं । अगर आँठ तक तिल हैं तो व्यक्ति महाराजा जैसा धनवान बनता हैं परन्तु अगर आँठ से भी अधिक तिल हैं तो व्यक्ति योगी बन जाता हैं । महिलाऐं इसे अपने बाँये हाथ में देखें और अगर ये किसी पुरुष के बाँये हाथ में हैं तो फल सर्वथा विपरित होगें । साधारणयता शरीर में कंहि भी तिल हैं तो वो पुरुष के दाँयी ओर और सामने की ओर होने चाहिये तभी शुभ फल देने वाले होगें । पीठ की तरफ और बाँयी ओर वाले तिल शुभ फल नही दे पायेगें ।

हथेली में गदा का चिन्ह : जिसे व्यक्ति के हाथ में गदा का चिन्ह हो तो एसा व्यक्ति सरदार जैसा रुतबा पाता हैं और दूसरों पर हुक्म चलाता हैं । अगर गदा के ये चिन्ह एक से अधिक हैं तो एसे व्यक्ति पर ईश्वर की विशेष कृपा रहती हैं और एसा व्यक्ति पद अथवा ओहदा प्राप्त करता हैं । हथेली में अगर पाँच से ज्यादा गदा के चिन्ह हैं तो एसा व्यक्ति ब्रह्मज्ञानी हो जाता हैं ।

आपकी हथेली, आपकी किस्मत

07 October, 2007.

फेस रीडिंग

भारतीय ज्ञान अंनत और अतुलनीय हैं । इसमें शास्त्र, ग्रन्थ और वेद तो हैं ही जो इसांन को जीवन जीने के सही मार्ग का निर्देशन करते हैं परन्तु भविष्य जानने की ज्योतिष विद्या भी हैं जिससे मनुष्य जीवन को सरल और सुखपुर्ण बना सकता हैं । एसा नही है कि आप केवल कुण्डली देखें याँ फिर हस्तरेखा के जानने वालों को तलाश करें । अगर आपमें जिज्ञासा हैं तो आप शरीर लक्षण शास्त्र का अध्यन करके स्वंय भी अपने विषय में जान सकते हैं ।

शरीर लक्षण शास्त्र से आप अपने शरीर में स्थित लक्षणों से भी जान सकते हैं कि आप कैसे हैं और आपका भविष्य कैसा होगा ? आपने सुना होगा कि लोग फेस रीडिंग करते हैं । ये फेस रीडिंग क्या हैं ? चेहरे के लक्षणों को पहचान कर उसका फल बताना । यही तो शरीर लक्षणशास्त्र हैं । जब फेस रीडर फेस को देखकर बताते हैं तो वे फेस को देखते हैं और काल्पनीक रुप से फेस के तीन हिस्से बनाते हैं । जैसे माथे से लेकर भौंहों तक वे पहला हिस्सा मानते हैं । इससे वे लोग जीवन के पहले हिस्से के विषय में बताते हैं अथवा भूतकाल के विषय में बताते हैं । भौहों से लेकर उपरी होंठ तक वे जीवन का दूसरा हिस्सा मानते हैं और वर्तमान समय के विषय में बताते हैं । उपरी होंठ से लेकर ठुड्डी तक वे जीवन का आने वाला समय मानते हैं और भविष्य के विषय में बताते हैं ।

चेहरे अथवा फेस के जिस हिस्से अथवा भाग में जैसा निशान, दाग, धब्बा, तिल अथवा रंगरुप होगा वैसा ही वे लोग जीवन के उस हिस्से के विषय में समस्या, परेशानी अथवा सुखदुख की बात करते हैं । मान लिजिये कि किसी पुरुष के निचले होंठ के पास दाँयी ओर एक आकर्षक तिल का निशान हैं अथवा किसी स्त्री के निचले होंठ के पास बाँयी ओर एक आकर्षक तिल का निशान हैं तो फेस रीडर कहेगा कि इनका आने वाला समय अथवा भविष्य उज्वल हैं । अब तिल का ये निशान निचले होंठ के जितने ज्यादा करीब होगा अच्छा समय उतना जल्दी आयेगा । अगर एसा ही निशान चेहरे के दूसरे हिस्से में हैं अर्थात भौहों से लेकर उपरी होंठ तक हो तो फेस रीडर कहेगा कि इसका वर्तमान समय अच्छा चल रहा हैं । यही निशान अगर उपर माथे के करीब हो तो फेस रीडर कहेगा कि इसकागुजरा हुआ समय अच्छा रहा हैं ।

तिल के निशान के अलवा भी कई संकेत हमें चेहरे से मिलते हैं जैसे कोई बड़ा सा काला अथवा लाल धब्बा और चेहरे की बनावट में कोई दोष इत्यादि भी फेस रीडर देखते हैं । बहरहाल ये तो वो साधारण संकेत हैं जो साधारण रुप में देखें जा सकते हैं परन्तु इससे और अधिक गहराई से देखने पर और भी दिलचस्प संकेत प्रकट होते हैं । जैसे हम अब आपको माथे के विषय में बताने जा रहे हैं । जो दर्शायेगा कि माथे पर प्रकट हुऐ सकेंत आपको कैसा बनाते हैं और इनसे क्या क्या फल आपके जीवन में प्रकट होगें ।

चौड़ा माथा - माथा अथवा पेशानी मनुष्य के शरीर का वो हिस्सा हैं जिसे लोग अक्सर किस्मत के रुप में देखते हैं । ये सदा ही जमाने की हवा से टकराता रहता हैं और सदा ही खुला रहता हैं । बहरहल जिस व्यक्ति का माथा चौड़ा होंता हैं अथवा पेशानी चौड़ी होती हैं । वह व्यक्ति दिल का नेक होता हैं, उसका घर परिवार बड़ा और वो धनवान होता हैं ।

छोटा माथा - जिस व्यक्ति का माथा छोटा और पतला हो उस व्यक्ति की अक्ल अथवा बुध्दी बहुत जहीन और बारिक होती हैं । एसा व्यक्ति सोच विचार से कार्य करने वाला और बहुत जतन से प्रयास करने वाला होता हैं । कर्ज के लेनदेन का इस व्यक्ति से विशेष संबंध होता हैं अथवा एसा कहें कि कर्ज के लेनदेन के कार्य भी एसा व्यक्ति कर सकता हैं ।

लंबा माथा - जिस व्यक्ति का माथा लंबा होता हैं वो भी नेक दिल का व्यक्ति होता हैं परन्तु जीवन में धन के लिये प्रयासरत रहना पड़ता हैं और खानपान में लापरवाही बरतता हैं । बहरहल घरपरिवार और अपनो से रिश्ते विशेष रुप लेते हैं और ये कभी अच्छे तो कभी दुखदायी होते हैं । धीरे धीरे जीवन में धन और शाँती का आगमन होता हैं ।

उभरा हुआ माथा १ - जिस व्यक्ति के माथे का उपरी हिस्सा उभरा हुआ होता हैं एसा व्यक्ति दूसरो के मन की बात को आरसानी से जान लेता हैं और आसपास के माहौल को भाँपने की शक्ति उसमें बहुत होती हैं । हालाकि एसे व्यक्ति की कई बातें पहले मान्य नही होती हैं परन्तु बाद उसे मान लिया जाता हैं और उसा व्यक्ति अथक प्रयास करने वाला होता हैं ।

उभरा हुआ माथा २ - जिस व्यक्ति के माथे का निचला हिस्सा उभरा हुआ होता हैं एसा व्यक्ति खूब विचार शक्ति सु युक्त और सोच विचार कर कार्य करने वाला होता हैं मिली हुई सूचनाओं पर इसका गहन विश्लेषण होता हैं । अपने लक्ष्य को ये कभी भूलता नही हैं और सदा लक्ष्य साधने को व्याकुल रहता हैं । इसकी आय भी अच्छी होती हैं ।

माथे पर चिन्ह - माथे पर जंहा तिलक लगाया जाता हैं वंहा अगर कोई चिन्ह हो जैसे त्रिकोण, तराजू, मछली, अकुंश, तिल, पंखा, तलवार और पक्षी हो तो एसा व्यक्ति अपनो के सुख से वंचित रहता हैं अथवा एसा कहें कि एसे व्यक्ति को अपनो और स्वजनों का सुख नही मिलता हैं । एसे व्यक्ति का जीवन रुकावटों से भरपूर रहता हैं और आय के लिये सदा प्रयासरत रहता हैं ।

माथे पर कौवे के पैर का चिन्ह - जिस व्यक्ति के माथे पर कौवे के पैर जैसा चिन्ह होता हैं वो व्यक्ति निर्बल भाग्य वाला और उम्र का कम होता हैं । एसे व्यक्ति को छोटी उम्र में ही बीमारियां लग जाती हैं और भाग्य की निर्बलता के कारण एसी बीमारियां ठीक भी नही होती हैं ।

माथे पर टूटी फूटी लकीरें - जिस व्यक्ति के माथे पर टूटी फूटी लकीरें हो और वो नीचे की ओर झुकी हुई हो तो एसा व्यक्ति घर परिवार से दुखी, कम उम्र वाला और जीवन के १६, २४, ३२, ४०, ४८, ५६ और ६४ वें वर्ष में खतरे में पड़ जाता हैं और हो सकता हैं एसे ही वर्ष में उसकी मृत्यु हो जाये ।

माथे पर सात से ज्यादा लकीरें हो - जिस व्यक्ति के माथे पर सत से ज्यादा लकीरें हो तो एसा व्यक्ति अपराधी, कज्जाक, डाकू अथवा जरायम पेशा कार्य करने को उत्सुक रहता हैं और ऐसे व्यक्ति की उम्र पचास वर्ष तक होती हैं । घर परिवार बड़ा होता हैं परन्तु आय और घर परिवार चलाने की जिम्मेदारी को महसूस करते हुऐ एसे व्यक्ति के कदम अपराध की ओर चल पड़ते हैं ।

माथे पर लाल रंग की नसें - एसा व्यक्ति जिसके माथे पर लाल रंग की नसें उभरी हुई दिखाई दें तो उसकी उम्र कम होती हैं और रक्त होष से बीमारी होती हैं हालाकि एसा व्यक्ति बोलने का माहिर होता हैं । इसके विपरित अगर माथे पर हरें रंग की नसें उभरी हुई दिखाई दें तो समझना चाहिये कि वो व्यक्ति खुशहाल, भाग्यशाली और लंबी उम्र जीने वाला होता हैं ।

भौहें, आई ब्रो - जिन लोगों की भवें कमानीदार, दोनो तरफ से एक जैसी अर्थात दोनो भवों में कोई फर्क ना दिखें एसें लोग भाग्यशाली और जीवन को सकारात्मक रुप में जीते हैं । इसके विपरित अगर दोनो भवों में फर्क दिखें और सुडौल ना दिखें तो समझें कि एसे व्यक्ति का जीवन को देखने और जीने का ढंग अच्छा नही हैं । अगर भवें बहुत मोटी हों और रुखें बालों वाली हो तो व्यक्ति की प्रवृति राक्षसी होती हैं ।

आँखें - जिन लोगों की आँखें नाक की हड्डी से समान अंतर पर हो तो एसे लोगों की आँखें बहुत आकर्षक होती हैं । बहरहाल छोटी आँखें अच्छी नही मानी जाती हैं । आँखों के किनारे पर बहुत सारी लकीरें हो, हाथी की आँखों की तरह तो ऐसे व्यक्ति का जीवन संघर्षमय होता हैं । गोल आँखों वाले लोग बदनियत और धोखेबाज होते हैं ।

नाक - उठी हुई सुडौल नाक जिस व्यक्ति की होती हैं वो शान और इज्जत से जीने में विश्वास रखता हैं । दोनो नथुनो के पिचके होने की सुरत में व्यक्ति बेवजह शानो शौकत और बड़ा होने का नाटक करता रहता हैं । छोटी नाक वाले लोग बेइज्जत होकर भी जीना सीख लेते हैं । आगे से उठी हुई नाक व्यक्ति को धीरे धीरे जीवन में इज्जत और शान प्रदान करती हैं जबकि पीछे से उठी हुई नाक व्यक्ति को जीवन में पहले ही शानोशौकत प्रदान कर देती हैं ।

खुबसुरती - महिलाऐं ध्यान दें, चेहरे के अंग जितने सुडौल होगें चेहरा उतना ही आकर्षक होता हैं । इसका मापदंड ये हैं कि जंहा महिलाऐं मांग निकालती हैं वंहा से एक धागा लटकाकर अगर आप उसे ठुड्डी तक लायें और फिर चेहरे के दोनो ओर के अगों को ध्यान से देखें कि भवें, आँखें, दोनो ओर के गाल, होंठ और ठुड्डी में कितना अंतर पड़ता हैं । दोनो ओर के अंग समान होने चाहिये हालाकि एसा होता नही हैं परन्तु ये अंतर जितना कम होगा आपके चेहरे की खुबसुरती उतनी ही ज्यादा बढ़ती जीयेगी । फिल्मी नायिकाऐं, हिरोइन्स और मॉडल्स को अगर आप ध्यान से देखेगें तो पायेगें कि उनमें ये फर्क बहुत कम होता हैं । एक और बात ध्यान देने योग्य हैं कि ठुड्डी जितनी गोल और निचले होंठ के जितने करीब होगी चेहरा उतना गोल होता जायेगा और आपकी खुबसुरती बढ़ती जायेगी । फिल्मी नायिकाऐं, हिरोइन्स और मॉडल्स में यही खासियत होती हैं ।

होंठ - जिस व्यक्ति के होंठ खुले खुले और बाहर को लटके हुऐ होते हैं एसे लोग पित से पीड़ीत होते हैं और ठंडा खानापीना पसंद करते हैं । इसके विपरित जिस व्यक्ति के होंठ सख्ती से बंद और अंदर

आपकी हथेली, आपकी किस्मत

07 October, 2007.

की तरफ होते हैं ऐसे व्यक्ति को ठंडा खानापीना रास नही आता हैं और वो वात से पीड़ीत रहता हैं । रुखें होंठ व्यक्ति के निराश होने की सूचना देते हैं जबकि रसीले होंठ व्यक्ति के खुशमिजाज और सुखी होने को दर्शाते हैं । लाल लाल होंठ व्यक्ति के धनी होने की सुचना देते हैं जबकि काले होंठ व्यक्ति के मेहनती होने को दर्शाते हैं । थोड़े से खुले होंठ जिससे दाँत दिखाई देते हों एसे व्यक्ति आसान और सहज होते हैं जबकि बहुत ज्यादा खुलें होंठ जिससे बेवजह दाँत बाहर को दिखाई पड़ते हैं ऐसे व्यक्ति बेशर्म और बेहया होते हैं । पतले होंठ व्यक्ति को बेरहम बना देते हैं और बहुत ज्यादा पतले होंठ जैसे कि होंठ की जगह केवल एक लकीर सी दिखाई दे तो एसे व्यक्ति हत्यारे तक होते हैं । मोटें होंठ व्यक्ति को रहमदिल बनाते हैं और बहुत ज्यादा मोटें होंठ हो तो व्यक्ति मूर्ख और बेवजह मेहनत करने वाला होता हैं ।

ठुड्डी - जिस पुरुष की ठुड्डी में गड्ढा पड़ता दिखाई दें ऐसे व्यक्ति महिलाओं को आकषर्क लगते हैं । नुकिली ठुड्डी महिलाओं के लिये अच्छी नही होती हैं ईन्हे जीवनसाथी से सुख नही मिलता यां फिर इनका विवाह ही देर से होता हैं । गोल ठुड्डी महिलाओं के लिये बहुत सुखदायक होती हैं ईन्हे जीवनसाथी का सुख भी मिलता हैं और ये जब चाहें तब विवाह सुत्र में बंध जाती हैं अर्थात विवाह इनके लिये समस्या नही होता हैं ।

चेहरा - जिस पुरुष का चेहरा चौड़ा और मुँह भी चौड़ा हो तो एसा व्यक्ति खुदगर्ज और बदनियत होता हैं । इसके विपरित अगर जिस पुरुष का चेहरा लंबा और मुँह भी लंबा हो तो एसा व्यक्ति नेक और दूसरों के लिये भी लाभदायक सिध्द होता हैं । इसी के चलते जिस महिला का चेहरा लंबा और मुँह भी लंबा हो तो एसी महिला अथवा स्त्री बदबख्त और बेवफा होती हैं । परन्तु जिस स्त्री अथवा महिला का चेहरा चौड़ा और मुँह भी चौड़ा हो तो एसी महिला अथवा स्त्री भाग्यशाली और वफादार होती हैं । स्त्रीयां अगर अपने लंबें चेहरे को गोल बनाना चाहती हैं तो वे हरी सब्जियाँ अपने खाने में शामिल करें, बुध ग्रह का रत्न पन्ना पहने और नाक में छेद करवायें । पुरुष अगर अपने चौड़े चेहरे को लंबा और आकर्षक बनाना चाहते हैं तो वे पीले रंग के कपड़े पहना करें, गुरु रत्न पुखराज पहने और सोने का कोई जेवर सदा पहने रखें ।

आपकी हथेली, आपकी किस्मत

07 October, 2007.

कर्मफल

कई बार एसी असाधारण घटनाऐं होती हैं जिनका कोई कारण अथवा मतलब समझ में नही आता हैं । अचानक कहि अग्निकॉण्ड हो जाता हैं और देखते ही देखते लोग बर्बाद हो जाते हैं । किसी को जवान संतान के खो देने का दुख झेलना पड़ता हैं, किसी को खानदानी शत्रुता सताती रहती, किसी को सतांन का सुख नही मिल पाता हैं और जानने वाले कहते हैं कि ईन्हे संतान का सुख लिखा हुआ हैं । ये सब एसी घटनाऐं हैं, जो होती तो हैं, परन्तु क्यों हुई ? ये समझ में नही आता हैं । समझ में आये भी तो कैसे ? अच्छा खासा हरा भरा घर हैं और फिर अचानक आग लग जाये और सारा घर अथवा दुकान जलकर राख हो जाये तो बबार्दी तो हो ही जाती हैं और घटना भी दिखती हैं । परन्तु एसा क्यों हुआ ? प्रश्न उठ खड़ा होता हैं । किसी का जवान बेटा याँ बेटी अचानक दुर्घटना में मारे जाते हैं । जबकि उसकी शादी ब्याह की बात चल रही थी कि घटना हो गई अब घटना तो दिखी, परन्तु एसा क्यों हुआ ? कई लोग खानदानी शत्रुता को झेलते रहते हैं और उन्नति नही कर पाते हैं । ये खानदानी शत्रुता क्यों हो गई कि दुख कभी खत्म ही नही होता हैं ? अच्छे खासे पती-पत्नी हैं और कोई बीमारी भी नही हैं, जानने वाले, जैसे ओझा, झाड़फूंक करने वाले और ज्योतिषि कहते हैं कि ईन्हे संतान का सुख लिखा हैं परन्तु उन्हे संतान होती ही नही हैं । क्या कारण हैं ?

अवश्य ही प्रकृति में कुछ एसा हैं जो हमारे ही कर्म का फल हैं और कुछ एसा हैं अथवा कोई एसा हैं जो हमारे कर्म का अथवा हमारे किये का लेखा जोखा रखता हैं । जो सजा के रुप में अथवा फल के रुप में हमे देता हैं अथवा हमे मिलता हैं । क्या हैं ये ? क्या कर्म का फल ? याँ पिछले जन्म के कर्म का फल याँ हमारे किसी बड़े अथवा हमारे पूर्वजो के किये का फल ? आईये, देखते हैं कि शास्त्र क्या कहता हैं ।

पितृ ऋण - कभी कभी एसा होता हैं कि बड़ो के किये कर्म का फल भी संतान भुगतती हैं जैसे किसी बड़े ने खानदान का कुल पुरोहित अथवा ब्राह्मण बदला हो याँ फिर घर के आसपास कोई मंदिर तुड़वा चुके हैं अथवा तुड़वाने में हाथ रहा हो याँ फिर कोई पीपल का पेड़ काटा हो अथवा कटवाने में हाथ रहा हो तो एसे में धर्म साथ नही देता हैं । धार्मिक क्रियाकलाप अथवा पुजा पाठ फलप्रद नही होते हैं और जब भी एसा करने का प्रयास करते हैं तो रुकावटें आने लगती हैं । इसे पितृ ऋण कहते हैं ।

स्वऋण - आदमी जब नास्तिक बनता हैं तो पुराने रिति रिवाजों को नही मानता हैं और इससे बड़े बुजुर्ग दुखी होते हैं । ये दुख उनके मरने के समय उन्हे और भी तकलीफ देता हैं । इससे आदमी के उपर एक ऋण बनने लगता हैं जिसे स्वऋण कहते हैं । एसा आदमी अपने घर की छत में रौशनी के लिये रौशनदान बनाता हैं और कभी उसने रहने की जगह पर अग्नि प्रज्वलित करके उसे मिट्टी में दबा दिया होगा जिससे ये स्वऋण उसके अंतर्मन को और खराब करता हैं और वो दुखी होने लगता हैं । ये व्यक्ति के स्वंय के किये कर्मो का फल होता हैं ।

मातृ ऋण - अपनी संतान हो जाय तो माँ को दुखी करना अथवा माँ को जुदा कर देना याँ फिर वो स्वंय ही अपने कर्मो से दुखी हो तो उसके प्रति लापरवाही बरतना उसकी खैर खबर नही लेना मातृ ऋण को जन्म देता हैं । एसा व्यक्ति सन्तुष्टि और सुख के लिये तरसता हैं और बदनाम होता हैं और एसा व्यक्ति घर के आसपास कंहि कुआँ, नदी अथवा शुध्द पानी के स्थान को अपने घर के गंदे पानी से अशुध्द करता हैं ।

स्त्री ऋण - गर्भवती स्त्री को दुख देना उससे मारपीट करना अथवा उसकी हत्या कर देना स्त्री ऋण को जन्म देता हैं । एसे व्यक्ति को भौतिक सुख नही मिलते हैं और एसे व्यक्ति के छोटे छोटे कार्य भी बहुत मुश्किल से पुर्ण होते हैं । एसा व्यक्ति गाय जैसे दाँतो वाले जानवर को पालने का शौकिन होता हैं और वो जानवर उसके सामने ही मृत्यु को प्राप्त होता हैं जिससे उसे बहुत दुख होता हैं इसके अलावा घर परिवार में खानदानी और पिढ़ीयों से चली आ रही शत्रुता उसके लिये परेशानी का कारण बनती हैं । ये स्त्री ऋण हैं, जो भावनात्मक रुप से बहुत दुख देता हैं ।

रिश्तेदारी का ऋण - किसी को जहर देकर मारना अथवा जहर देने का प्रयास करना, किसी का आय का साधन समाप्त करना ताकि वो भूखों मरने लगें, किसी के आय का साधन कोई जानवर मार देना अथवा किसी का रहने का घर जला देना रिश्तेदारी के ऋण को जन्म देता हैं । एसा व्यक्ति नफरत और घृणा का ठिकाना बन जाता हैं । अपने सगे संबंधियों से मिलता नही हैं और उनसे झगड़े फसाद करता हैं । घर में खुशियों के मौको पर घर से गायब रहता हैं अथवा तो स्वंय ही जानबूझकर खुशी मनाने को मना कर देता हैं ।

पुत्री, बहन का ऋण - किसी की पुत्री अथवा बहन की हत्या कर देना अथवा उन पर हद से ज्यादा जुल्म करना, पुत्री अथवा बहन के ऋण को जन्म देता हैं । एसे व्यक्ति की जवानी बेकार अथवा धोखा करने में गुजर जाती हैं । एसा व्यक्ति मासूम बच्चों को बेचने का और उन्हे एक दूसरे से बदल देने का कार्य करता हैं तथा उनसे गैर कानूनी कार्य करवाता हैं । लोग उसके कार्य को जान नही पाते हैं परन्तु सजा के तौर पर उसकी जवानी बेकार और धोखे के कार्य करने में ही गुजर जाती हैं । अंत में एसा व्यक्ति बहुत पछताता हैं ।

जालिमाना ऋण - किसी का मकान धोखें से ले लेना और उसकी कीमत भी अदा नही करना तथा कोई विरोध करें तो उसकी हत्या कर देना अथवा करवा देना जालिमाना ऋण को जन्म देता हैं । एसा व्यक्ति बहुत डरा डरा सा रहता हैं और उसका अंतर्मन उसे कचोटता रहता हैं । एसा व्यक्ति दक्षिण दिशा में घर का मुख्य द्वार बनवाता हैं अथवा एसा घर लेता हैं जिसमें दक्षिण दिशा में द्वार होता हैं । एसा व्यक्ति कुएं अथवा नाले के रास्ते में अपना घर बनवाता हैं अथवा तो कुएं अथवा नाले के उपर ही घर बनवा लेता हैं ।

अजन्में का ऋण - आपसी संबंधों में धोखा, फरेब करना, प्रेम में धोखा देना, इस तरह से धोखा करना कि किसी का घर परिवार ही गर्क हो जाये, नष्ट हो जाये । एसे में वो अजन्मी आत्माऐं जो उस घर परिवार में जन्म लेने वाली थी । उनका ऋण जन्म लेता हैं । इसे कहते हैं अजन्में का ऋण । एसा व्यक्ति दुख और तकलीफों से संर्घष करते हुऐ जीवन गुजार देता हैं । एसा व्यक्ति जिस घर में रहता हैं उस घर के मुख्य द्वार के पास नाला अथवा गदें पानी की के बहाव का मार्ग होगा और वो व्यक्ति रोज ही उसे लांघकर आता जाता होगा । एसे व्यक्ति के घर की दक्षिण दिशा की दीवार के पास अग्नि जलती होगी याँ फिर कभी उस दीवार के पास शमशान अथवा कब्रिस्तान रहा होगा ।

कुदरती ऋण - बदनियत और बदचलनी से जो व्यक्ति दूसरों के घर परिवार और जीवन को समाप्त करता हैं अथवा करवा देता हैं तो एसे में कुदरत का ऋण जन्म लेता हैं । एसा व्यक्ति लाइलाज बीमारियों से तड़पते हुए प्राण त्यागता हैं । एसा व्यक्ति दूसरो की पुत्र संतान को मरवाने के बहाने तलाशता रहता हैं, कुत्तों को गोली से मरवा देना भी एसे व्यक्ति की नीशानी होती हैं । सगे संबंधियों में एसा व्यक्ति बदनियत और लालची के नाम से कुख्यात होता हैं ।